दिल्ली विश्वविद्यालय

साहित्य महोत्सव 1.0

राष्ट्र प्रथमः

अनेकता में एकता

12th–14th फरवरी, 2026

हमारा भारत, एक भारत... जय-जय हिंद, हमारा हिंद...

साहित्य के लिए शब्द और अर्थ का संबंध मात्र नहीं है, बल्कि यह जन-मन के भाव, विचार और संवेदना की समेकित अभिव्यक्ति के रूप में राष्ट्रीय स्वर और संस्कृति का प्रतिबिंब भी है। इसी कारण भारत की स्वर्णिम विरासत और अतुल्य सांस्कृतिक महागाथा का जैसा सुंदर चित्रण साहित्य में अंकित है, वैसा विश्व में दुर्लभ है। साहित्य में अंकित भारतीय सभ्यता और संस्कृति के गौरवशाली अतीत, उससे जुड़े वर्तमान और उससे प्रेरित भविष्य का उत्सव मनाने के लिए ही दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रथम साहित्य महोत्सव का आयोजन किया गया है।

अपनी समृद्ध शैक्षणिक विरासत का सतत संवर्धन करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह के यशस्वी नेतृत्व में विश्वविद्यालय अपनी गौरवशाली शताब्दी यात्रा को पूर्ण कर अपने उज्ज्वलतम 104वें वर्ष में प्रथम साहित्य महोत्सव का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. योगेश सिंह की संकल्पना **'राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र प्रथम'** को साकार किया गया है। यह पहला साहित्य महोत्सव राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत उन सभी पूर्ववर्ती लेखकों, रचनाकारों, शिक्षकों और विचारकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के साथ-साथ उसी भावधारा से संबद्ध समकालीन एवं आगामी लेखकों को प्रेरित कर इस परंपरा को निरंतर बनाए रखने का एक सार्थक प्रयास है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह साहित्य महोत्सव इस रूप में भी अद्वितीय और अनूठा है कि यह केवल कला और साहित्य के क्षेत्र का सरस समागम नहीं है, बल्कि अपने विस्तृत स्वरूप में मानविकी की परिधि से आगे बढ़कर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और तकनीकी सहित उन सभी क्षेत्रों का भी पावन प्रयाग है, जो लोकतांत्रिक भाव से निरंतर मानवीय मूल्यों के प्रसार में आस्था रखते हैं। यही कारण है कि इस महोत्सव का विस्तार मात्र दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी या दक्षिणी परिसर तक सीमित न होकर उसके 70 से अधिक महाविद्यालयों तथा लाखों विद्यार्थियों तक फैला हुआ है। फलस्वरूप, इस महोत्सव में सहभागिता करने वाले सभी जन केवल दर्शक मात्र नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत इस महोत्सवी यज्ञात्मक अनुष्ठान के सक्रिय सहभागी भी हैं।

'दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव' का केंद्रीय उद्देश्य राष्ट्रीय भावबोध पर आधारित 'विविधता में एकता' की संकल्पना को सुदृढ़ करना है, जो न केवल भारतीय संस्कृति की विशिष्ट पहचान है, बल्कि राष्ट्रशक्ति का भी सशक्त परिचायक है। यह विविधता इस अर्थ में विलक्षण है कि इसमें भाषा, साहित्य, परंपरा और संस्कृति का केवल संयोजन ही नहीं, अपितु प्रत्येक की स्वतंत्र पहचान और स्वर भी पूर्णतः संरक्षित हैं। इस साहित्य महोत्सव की सफलता आपकी गरिमामयी उपस्थिति में इस दुर्लभ सामंजस्य के अद्भुत पक्षों की मनोहर सांस्कृतिक प्रस्तुति के रूप में साकार होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय इस महत्वपूर्ण साहित्यिक रंगोत्सव में आप सभी को सादर आमंत्रित करता है।

University of Delhi is a unique confluence of literature, art, culture and vibrant young minds. The DU Literature Festival 1.0 awaits you. Learn, share, show and rejoice.

Prof. Yogesh Singh — Vice-Chancellor, University of Delhi

The youth of the nation is a reservoir of ideas, emotions, knowledge and art. University of Delhi, through its Literature Festival, is creating a platform for students to explore their talents. Looking forward to your presence and participation.

Dean of Colleges, University of Delhi — **Prof. Balaram Pani**

DU Literature Festival 1.0 is a unique opportunity for the community to act, enact, create and present their respective talents. I hope all the enthusiasts will come forward to showcase their talents.

Prof. Rajni Abbi — Director, South Delhi Campus, University of Delhi

The confluence of authors, poets, artists, academicians and scholars at the DU Literature Festival 1.0 will strengthen the collective academic space of University of Delhi.

Registrar, University of Delhi — **Dr. Vikas Gupta**

The dynamism of youth is reflected through art, music, dance and theatre. DU Literature Festival 1.0 awaits its vibrant students to set the stage alight.

Shri. Anoop Lather — Cjairperson, Culture Council & PRO, University Of Delhi

दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव

यह महोत्सव एक साहित्यिक सभा के अतिरिक्त कला, साहित्य एवं संगीत की मौखिक तथा रंगमंचीय प्रस्तुतियों का एक सजीव सांस्कृतिक प्रयाग है।

स्थान: नार्थ कैंपस

- यूनिवर्सिटी स्टेडियम (रग्बी स्टेडियम)
- मल्टीपर्पज़ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स
- सर शंकरलाल ऑडिटोरियम

literaturefestival.du.ac.in
DULiteratureFst
@duliteraturefest
@duliteraturefest
Delhi University Literature Festival

Scan me

E-certificate will be given to all the registered participants

#DULiteratureFest